Madhya Bharti
Humanities and Social Sciences

मध्य भारती
मानविकी एवं समाजविज्ञान की द्विभाषी शोध-पत्रिका

ISSN: 0974-0066

सोशल मीडिया का विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

अनीता मीणा
शोधार्थी

प्रो. (डॉ) मंजू शर्मा
शोध पर्यवेक्षक, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)

शोध सारांश

वर्तमान दौर संचार क्रांति का दौर है। संचार के क्षेत्र से इस दौर में कोई भी वर्ग अछूता नहीं है। सोशल मीडिया का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। समाज का लगभग हर वर्ग सोशल मीडिया से प्रभावित है। सबसे ज्यादा विद्यार्थियों में इसका प्रभाव देखा जा सकता है। सोशल मीडिया के कारण विद्यार्थियों में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभाव देखे जा सकते है। कोरोना महामारी और उसके बाद सोशल मीडिया के माध्यम से जहां विद्यार्थी नये ज्ञान को प्राप्त कर रहे है, वही सोशल मीडिया के ज्यादा उपयोग से विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक रूप से नकारात्मक प्रभाव भी परिलक्षित हो रहे है। विद्यार्थी खेल के मैदान से दूर हो रहे है। सोशल मीडिया के कारण सामाजिक दूरी बढ़ती जा रही है। परिवार के सदस्यों में संवादहीनता की स्थिति पैदा हो रही है। इतना ही नहीं विद्यार्थियों की दोस्ती, वर्चुअल मोड पर ज्यादा हो रहा है। इस प्रकार से कहा जा सकता है, कि विद्यार्थियों में सकारात्मक की जगह, सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव ज्यादा देखे जा रहे है।

कीवर्ड- संवादहीनता, सूचना क्रांति, वर्चुअल, सामाजिक दूरी, संचार आदि।

प्रस्तावना

आज का युग सूचना एवं तकनीक पर आश्रित युग है। आज प्रत्येक व्यक्ति अपनी स्वयं की और अपने आस-पास की जानकारी के अलावा संपूर्ण विश्व से परिचित होना चाहता है। सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में मौजूद सबसे बड़े तत्वों में से एक है। इसके माध्यम से हम किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते है,तथा दुनिया के किसी भी कोने में बसें अपने प्रियजनों से बात कर सकते है। सोशल मीडिया एक आकर्षक तत्व है, और आज हमारे जीवन से जुड़ा हुआ है। आज वर्तमान में विद्यार्थियों में मोबाईल का उपयोग से सोशल मीडिया के प्रति अधिक जागरूकता बढ़ गई है। सोशल मीडिया जैसे- फेसबुक, ट्वीटर एप्स में तकनीकी साधन है, जिनके प्रति युवा वर्ग जागरूक होकर नयी-नयी जानकारी हासिल करते है। पिछले कुछ वर्षो में सोशल मीडिया के उपयोग में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है, तथा दुनिया भर में बसने वाले लाखों उपयोगकत्ताओं को एक साथ जोड़ लिया है। सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम है, और इसका प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति पर पड़ रहा है। सोशल मीडिया के बिना हमारे जीवन की कल्पना करना मुश्किल है, परन्तु इसके अत्यधिक उपयोग की वजह से हमें इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है।

ISSN: 0974-0066

सोशल मीडिया जहाँ सकारात्मक भूमिका अदा करता है, वहीं कुछ लोग इसका गलत उपयोग भी करते है। सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक कौर नकारात्मक जानकारी साझा की जाती है! जिससे कि जन मानस पर प्रतिपल प्रभाव पड़ता है। जिस प्रकार से एक सिक्के के दो पहुल होते है, ठीक उसी प्रकार से सोशल मीडिया के भी दो पक्ष होते है। लोगों का विश्वास मीडिया पर बनाए बनाने को लिए यह आवश्यक है, कि मीडिया राष्ट्र उत्थान, समाज उत्थान और दुख तकलीफो को दूर करने, न्याय दिलाने, अंधविश्वास व चुनौतियों को हल करने वाली दिशा में कार्य करती रहे, ताकि देश की जनता का विश्वास मीडिया पर बना रहें और मीडिया नित्य नई ऊंचाइयो और बुलंदियों को छूता जाए और एक स्वर्णिम राष्ट्र का निर्माण हो सकें।

अध्ययन का उद्देश्य

1- विद्यार्थियों की मीडिया के प्रति रुचि का पता लगाना।

2- मीडिया के प्रति अभिभावकों की सोच का पता लगाना।

3- बालक व बालिकाओं पर मीडिया के पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी प्राप्त करना।

4- सोशल मीडिया को उपयोग का उनकी मानसिकता पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

5- सोशल मीडिया के उपयोग का विद्यार्थियों की सकरात्मकता व नकारात्मकता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

समस्या का औचित्य

वर्तमान समय में सोशल मीडिया का दैनिक जीवन में अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है। सम्पूर्ण देश के नागरिकों की सोशल मीडिया के प्रति जागरूक बढ़ी है। विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के प्रति बहुत अधिक क्रेज है। सोशल मीडिया को शिक्षा का अंग बना देना चाहिए। वर्तमान में शिक्षा व्यक्ति के बहुमुखी विकास में निरन्तर रचनात्मक कार्य करती है, जिसमें स्वस्थ्य गति देने का कार्य कुशल शिक्षक करते है। विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा सोशल मीडिया की शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के प्रति अधिक जागरूक कर उन्हें इसके उपयोग के बारे में बताना आवश्यक है। सोशल मीडिया के उपयोग से विद्यार्थियों को लाभ भी है, तो हानि भी है।

सोशल मीडिया के उपयोग से समय की बर्बादी अधिक होती है, जिससे विद्यार्थीयों की शैक्षणिक उपलब्धि प्रभावित होती है। अत: आज विद्यार्थी जो भविष्य एका दर्पण हो! उनको सोशल मीडिया के प्रति जागरुक कर उसके उपयोग पर उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना शोधार्थी ने आवश्यक समझा। विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग मनोरंजन के लिए, शिक्षा के लिए सम्प्रेषण के लिए व अद्यतन जानकारियों के लिए करते है। विद्यार्थी फेसबुक,

ISSN: 0974-0066

ट्वीटर व एप्स के माध्यम से सामाजिक संबंध बढ़ाने हेतु प्रयोग करते है, जिससे समय की बर्बादी होती है और विद्यार्थी अपने जीवन को लक्ष्य से भटक रहे हो, इसी को देखते हुए शोधार्थी द्वारा उक्त समस्या का चयन किया गया है!

उपयोगिता:-

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आज लगातार वर्तमान तक राष्ट्र व समाज को समृद्ध बनाने के लिए शिक्षा को सबसे अधिक प्रभावशाली माना गया है! शिक्षा प्रदान करने मे लिए विद्यालय में नवीन साधनों का प्रयोग किया जा रहा हो। इन नवीन साधनों में मुख्य व महत्वपूर्ण साधन मीडिया ही है। आज मीडिया का प्रयोग बालक विद्यालय के अतिरिक्त घर पर भी करता है। आज विद्यार्थियों का बड़ा वर्ग अपना अधिक समय मीडिया के साथ बिताना पसंद करता है, उसके अकेलेपन का साथी मीडिया बन चुका है। मीडिया की विद्यार्थियों से इतनी अधिक निकटता के कारण यह जानना आवश्यक हो जाता है, कि मीडिया जो प्रभाव से बालकों में होने वाला परिवर्तन किस प्रकार का हो? यह समाज व राष्ट्र की अपेक्षा के समाज अनुरूप है, या नहीं।

समस्या कथन

सोशल मीडिया का विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषात्मक अध्ययन

तकनीकी शब्दावली :-

सोशल मीडिया:- सोशल मीडिया एक अपरंपरागत मीडिया ही यह एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है। जिसमें इंटरनेट के माध्यम से पहुंच बना सकते है। सोशल मीडिया एक विशाल नेटवर्क है, जो कि सारे संसार जो जोड़े रखता है? वर्तमान समय सूचना तकनीकी के क्षेत्र में प्रयोग किये जाने अति विभिन्न एप, जो कि इंटरनेट को माध्यम से संचालित किये जाते है, उसे सोशल मीडिया में सम्मिलित किया गया है।

विद्यार्थी:- विद्यार्थी वह व्यक्ति होता है, जो कोई सीख रहा रहा होता है। विद्यार्थी दो शब्दों से मिलकर बना होता है विद्या+अर्थी जिसका अर्थ होता है, विद्या चाहने वाला। विद्यार्थी किसी भी आयुवर्ग का हो सकता है। बालक, किशोर या व्यस्क। हर व्यक्ति जो ज्ञान को प्राप्त करना चाहता है, वह विद्यार्थी है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन:-

1- **सांघी कुमारी (2016)-** इन्होने कक्षा 9 वीं के स्तर के विद्यार्थियों के सोशल नेटवर्किंग के उपयोग एवं उपयोग के प्रभाव का अध्ययन किया। निष्कर्ष के रूप में यह ज्ञात किया गया कि इस स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों में सोशल साइट को प्रति उपयोग का स्तर निम्न है!

2- **कौशिक, नीरज तथा शर्मा, अनिता (2017):-** इन्होने विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों की कम्यूटर और इंटरनेट के प्रति जागरूकता का अध्ययन किया। इस शोध में निष्कर्ष के रूप में यह ज्ञात हुआ कि हाईस्कूल के विद्यार्थियों की जागरुकता तथा दक्षता में इजाफा हुआ है।

ISSN: 0974-0066

3- **प्रेसीका, पस तथा रानी मौरे**:-(2018) इन्होंने छात्रों को इंटरनेट तथा इसकी उपयोगिता का अध्ययन किया। इस शोध में निष्कर्ष के रूप में यह ज्ञात किया गया कि लिंग के आधार पर छात्रों में इन्टरनेट ज्ञान में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

4- **स्वामी अजय. एम. ए:-** (2018) इन्होने हाईस्कूल के छात्रों तथा शिक्षकों में इंटरनेट के प्रति जागरूकता का अध्ययन किया गया। इस शोध में निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि छात्रों तथा शिक्षकों में इंटरनेट के प्रति जागरुकता तथा दक्षता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

परिसीमांकन :-

1- प्रस्तुत शोध कार्य में जयपुर व उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।

2- प्रस्तुत शोध में न्यू मीडिया प्लेटफार्म में सोशल मीडिया का चयन किया गया है।

निष्कर्ष

1- विद्यार्थियो को सही मार्गदर्शन मिलना चाहिए।

2- विद्यार्थियों को टेक्नोलॉजी का तुलनात्मक अध्ययन किया जाना चाहिए।

3- विभिन्न विद्यार्थियों में मीडिया प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन किया जाना चाहिए।

4- विद्यालय से लेकर कॉलेज तक के सभी छात्रों के अन्दर टेक्नोलॉजी के बारे में शिक्षकों को जागरुकता पैदा करना चाहिए। जिससे कि आधुनिक युग में विद्यार्थी सोशल मीडिया का सही उपयोग समझ सकें।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1- मनोरमा इयर बुक (2011) "कोमल किशोर अवस्था एवं बढ़ता खुलापन"- डॉ रत्नेश गुप्ता

2- शिक्षा, मनोविज्ञान पटना भारती भवन पब्लिशर्स- सिंह, अरूण कुमार

3- शिक्षा मनोविज्ञान" मेरठ आर.लाल बुक डिपो

4- आज शिक्षक को सर्वोत्तम, सर्वश्रेष्ठ सशक्त बनने हेतु व्यावसायिक विकास को साथ संचार संप्रेषण तकनीक का पूर्ण ज्ञान होना साथ ही भारतीय संस्कृति मे मूल्यों अनुरूप शिक्षा का उचित संतुलन एवं सम्मिश्रण करना होगा। इस दिशा में ठोस एवं सार्थक प्रयास अपेक्षित हो।